सतत पर्यटन प्रबंधन के आयाम: एक केस अध्ययन अलवर शहर, राजस्थान, भारत

***डॉ. साधु राम गुर्जर**

सार:

पर्यटन दुनिया भर में सबसे उभरती और व्यापक आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में से एक है। भारत के अलवर शहर में दुनिया भर से पर्यटकों का भारी तांता लगा रहता है। शहर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि हजारों पर्यटकों को आकर्षित करती है। इसलिए स्थानीय परिदृश्य और जनसंख्या पर पर्यटन के आयाम और प्रभाव का विश्लेषण अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बन जाता है। इस तथ्य पर उचित विचार करते हुए, इस शोध कार्य में पर्यटन के विभिन्न आयामों जैसे वर्तमान पर्यटन स्थिति, आमद के कारण, प्रोफ़ाइल, पर्यटकों के दृष्टिकोण और अलवर शहर पर पर्यटन के प्रमुख प्रभाव को समझने का प्रयास किया गया। इस प्रयोजन के लिए संरचित प्रश्नावली के आधार पर प्राथमिक सर्वेक्षण के माध्यम से गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों डेटा एकत्र किए गए थे। राजस्थान के पर्यटन विभाग से एकत्र किए गए द्वितीयक डेटा की मदद से, प्राथमिक डेटा को प्रमाणित और मान्य किया गया। इस अध्ययन से पता चलता है कि अलवर शहर राजस्थान के पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक है। दुनिया भर से लोग इस शहर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण अनुकूल सेवाओं के लिए आते हैं। पर्यटन के प्रवाह का शहर पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव पड़ता है। आगंतुकों को कुछ समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है जैसे उचित पार्किंग की कमी, आवास सुविधाओं की कमी आदि। इसलिए स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इन मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

मुख्य शब्द: पर्यटन, पर्यटन का प्रभाव, पर्यटकों का दृष्टिकोण, पर्यावरण जागरूकता, टिकाऊ पर्यटन

परिचय

पर्यटन को सामान्यतः एक व्यक्ति द्वारा अवकाश, मनोरंजन, व्यवसाय या किसी अन्य गतिविधियों के उद्देश्य से एक स्थान से दूसरे स्थान तक यात्रा के रूप में समझा जा सकता है। यूएनडब्ल्यूटीओ के अनुसार "पर्यटन में अवकाश, व्यवसाय और अन्य उद्देश्यों के लिए लगातार एक वर्ष से अधिक समय तक अपने सामान्य वातावरण से बाहर के स्थानों की यात्रा करने और रहने वाले व्यक्तियों की गतिविधियाँ शामिल हैं।" पर्यटन एक बड़ा वैश्विक उद्योग है। लोग और पर्यटक स्थल इसमें बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका। यह किसी भी अर्थव्यवस्था का एक अभिन्न अंग है (अरोड़ा एट अल।, 2020)। यह इतना महत्वपूर्ण है कि भौगोलिक और आर्थिक रूप से छोटा क्षेत्र भी पर्यटन के विकास के कारण धीरे-धीरे विकसित और प्रसिद्ध हो सकता है। , 2021).

पर्यटन लोगों के मिलने-जुलने का स्थान प्रदान करके किसी भी क्षेत्र के सामाजिक-सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विकास

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है (लैसीना, 2019)। पर्यटन एक जटिल उद्योग है क्योंकि इसमें पर्यटकों की मांगों को पूरा करने के लिए विभिन्न संगठन, विभाग, सेवाएँ और एजेंसियां मिलकर काम करती हैं (रॉबिन्सन, 2012)। बढ़ते पर्यटन और उससे संबंधित गतिविधियों के साथ, दिन-ब-दिन पर्यटन ने खुद को दुनिया की सबसे व्यापक गतिविधियों में से एक में बदल दिया है, जिसकी अंततः अपनी सकारात्मक और नकारात्मक संभावनाएं हैं (चंदेल, 2011; स्ट्रेइमिकिएन एट अल।, 2019;)। यह पर्यटक स्थल पर भौतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय संभावनाओं के संदर्भ में परिवर्तन लाता है (शर्मा और बिष्ट, 2019)। किसी भी क्षेत्र में पर्यटन की अनियोजित और अभूतपूर्व वृद्धि विभिन्न सांस्कृतिक और पर्यावरणीय चिंताओं को जन्म देती है, इसलिए पर्यटन विकास की फिर से जांच की आवश्यकता होती है (ड्रोस्ट, 1996)। इसलिए इस शोध कार्य का उद्देश्य राजस्थान के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक अलवर शहर पर पर्यटन से संबंधित विभिन्न पहलुओं और उनके बहुआयामी प्रभाव को समझना है। इस शोध कार्य में पर्यटन के विभिन्न आयामों जैसे पर्यटकों की अस्थायी वृद्धि और आमद, आमद के विभिन्न कारक, विभिन्न मोर्चों पर अलवर के बारे में पर्यटकों के दृष्टिकोण और स्थानीय परिवेश पर प्रमुख प्रभाव का विश्लेषण किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र

अलवर कई पर्यटन गतिविधियों का शहर है, विभिन्न स्थानों से लोग यहां अवकाश, रोमांच, दर्शनीय स्थलों की यात्रा और अन्य गतिविधियों के लिए आते हैं। अलवर जिला राजस्थान के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित है। यह 27°4' से 28°4' उत्तर और 76°7' से 77°13' पूर्व है और लगभग 8400 वर्ग किमी के क्षेत्र को कवर करता है। इसकी दक्षिण से उत्तर तक लंबाई 137 किमी और पूर्व से पश्चिम तक चौड़ाई 110 किमी है। अरावली पर्वत दक्षिण से उत्तर की ओर 81 किमी तक फैला हुआ है जो इसकी विशिष्ट विशेषताओं को परिभाषित करता है। संपूर्ण थानागाज़ी और राजगढ़ तहसीलें और अलवर तहसीलों का लगभग एक तिहाई हिस्सा अरावली पहाड़ियों से ढका हुआ है जो बानसूर, किशनगढ़ और तिजारा तहसीलों में एक महत्वपूर्ण विशेषता है। ये बड़े जंगल मानवीय गड़बड़ी के कारण बड़े पैमाने पर नष्ट हो गए हैं। हालाँकि, कुछ वन क्षेत्र जैसे सरिस्का टाइगर रिजर्व वन और बाला-किला किला वन अभी भी अपेक्षाकृत अच्छी स्थिति में हैं। बाला किला, भानगढ़ किला, सिलसेढ़ झील, मूसी महारानी की छतरी, सागर, जैव विविधता पार्क, सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान आदि अध्ययन क्षेत्र के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं। विभिन्न खेल जैसे बोटिंग, जेट स्कीइंग, जीप सफारी, पैरासेलिंग, वॉटर ज़ोरबिंग, पैरा मोटो राइड आदि भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं (लता एट अल., 2015; पंवार और शर्मा, 2017)। कुल मिलाकर इसकी प्राकृतिक सुंदरता, प्राकृतिक विरासत, ऐतिहासिक स्थान, आरक्षित वन, किले, संग्रहालय आदि दुनिया भर से हजारों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं (शर्मा और खरे, 2021)। अलवर में पर्यटन क्षेत्र का विकास राष्ट्रीय विरासत और अन्य पर्यटन स्थलों (धींगरा और चट्टोपाध्याय, 2021) की रक्षा करने में मदद करता है।

साहित्य की समीक्षा

किसी भी पर्यटक स्थल की भौतिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय संपत्तियाँ पर्यटन संबंधी गतिविधियों से प्रभावित होती हैं। सतत पर्यटन किसी भी क्षेत्र के पर्यावरण और संस्कृति को समझकर संरक्षण में मदद करता है और स्थानीय रूप से फायदेमंद होता है (डॉउलिंग और न्यूजोम, 2006)। वैश्वीकरण के वर्तमान युग में, इसके साथ, पर्यटन क्षेत्र की असाधारण वृद्धि आर्थिक विकास को उत्तेजित करती है जिसके कुछ पर्यावरणीय और अन्य परिणाम भी होते हैं। सतत पर्यटन विकास के लिए, पर्यटन, आर्थिक विकास और इसके प्रभाव (डेनिश और वांग, 2017; गिदेबो, 2021) के बीच संबंध को समझने की आवश्यकता है। हाल के दशकों में पर्यटन क्षेत्र एक धूप उद्योग के रूप में विकसित हुआ है और विकसित और विकासशील देशों में सबसे बड़े उद्योगों में से एक बन गया है (परमती एट अल।, 2017)। इसका

विस्तार दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आर्थिक विकास के लिए एक प्रमुख क्षेत्र है (तांग और टैन, 2013)। पर्यटन उद्योग में विभिन्न गतिविधियाँ शामिल हैं जो परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से पर्यावरण पर सकारात्मक या नकारात्मक प्रभाव डालती हैं (कातिरसिओलू और कैटिरसीओलू 2014; रज़ा एट अल।, 2016)। बाजार उदारीकरण और वैश्वीकरण पर्यटन प्रवृत्तियों के विकास में मदद करते हैं (कीम, 2010)। पर्यटन प्रवाह केवल लोगों की आवाजाही नहीं है बल्कि इसका बड़ा आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व है। चूँकि यह पर्यटकों को एक जगह कमाने और दूसरी जगह खर्च करने की अनुमति देता है जिससे स्थानीय लोगों को मदद मिलती है (बोनिफेस एट अल., 2016; मैककेचर, 2020)। पर्यटन विकास का आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और पर्यावरणीय सकारात्मक प्रभाव के साथ-साथ स्थानीय समुदाय पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है (उसलू एट अल., 2020)। इस तरह, पर्यटन उद्योग के प्रभाव प्राथमिकता वाले मुद्दों में से हैं क्योंकि यह स्थानीय समुदाय के जीवन को कई मायनों में बदल देता है (नेमाटपुर और फ़राजी, 2019; फ़िज़ा एट अल।, 2015)। पर्यटन के विकास पर स्थानीय समुदाय के दृष्टिकोण को समझने से इसके नकारात्मक प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी और उनके लिए लाभ अधिकतम होगा (थेत्सेन, 2019)। समाज के पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों के बीच संतुलन विकसित करके पर्यटन की योजना बनाना और उसे स्थायी रूप से विकसित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। सतत पर्यटन विकास पर्यटकों की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करता है, उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण अनुभव सुनिश्चित करता है और उनके बीच स्थायी पर्यटन को विकसित करने का प्रयास करता है (स्ट्रीमिकिएन एट अल।, 2020)। स्थायी पर्यटन या पर्यटन में स्थिरता के लिए पहला कदम समस्याओं की पहचान करना है, समस्याओं की पहचान के बाद उपायों और रणनीति की एक योजना विकसित करने की आवश्यकता है और अंतिम है उसका कार्यान्वयन (मुरावा और कोरोबेनिकोवा, 2016)।

डेटा स्रोत और कार्यप्रणाली

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन के विभिन्न आयामों का विश्लेषण करना और अलवर में पर्यटन के प्रभाव का आकलन करना है। इस प्रयोजन के लिए, इस अध्ययन के लिए प्राथमिक और द्वितीयक डेटा स्रोतों का उपयोग किया गया है। प्राथमिक डेटा मुख्य रूप से व्यक्तिगत साक्षात्कार विधि के माध्यम से एकत्र किया जाता है। प्राथमिक स्रोतों में एक प्रश्नावली सर्वेक्षण शामिल है जिसमें खुले और बंद दोनों प्रकार के प्रश्न शामिल हैं। इसमें पर्यटकों और अलवर शहर के पर्यटन विभाग के विभिन्न अधिकारियों के साक्षात्कार भी शामिल हैं। अलवर में पर्यटन गतिविधि के विभिन्न पहलुओं और वे इसे कैसे समझते हैं, इसकी विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए पर्यटन विभाग के विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ आमने-सामने साक्षात्कार आयोजित किए गए। अलवर में पर्यटन प्रोफाइल तक पहुंचने और समझने के लिए यादृच्छिक नमूना पद्धति के आधार पर कुल सौ उत्तरदाताओं का सर्वेक्षण किया गया। नमूने मुख्य रूप से बाला किला, सागर, मूसी महारानी की छतरी, जैव विविधता पार्क और सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान से एकत्र किए गए थे। नमूना चयन के लिए इन स्थलों पर विचार किया गया क्योंकि ये पर्यटकों के आकर्षण के प्रसिद्ध स्थान हैं। द्वितीयक डेटा स्रोत के लिए शहरी अलवर पर्यटन विभाग की वेबसाइट का उपयोग किया गया है। अध्ययन का समर्थन करने के लिए प्रामाणिक डेटा निकालने के लिए कई प्रकाशित स्रोतों का संदर्भ लिया जाता है। एकत्रित गुणात्मक और मात्रात्मक डेटा को संकलित, सारणीबद्ध और सत्यापित किया गया है। उसके बाद एकत्रित आंकड़ों को विभिन्न तकनीकों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया और आगे का विश्लेषण किया गया है।

तालिका 1. घरेलू पर्यटकों की उत्पत्ति का स्थान (स्रोत: प्राथमिक सर्वेक्षण, 2020)

घरेलू	घरेलू पर्यटकों का %	अंतरराष्ट्रीय	विदेशी पर्यटकों का %
जयपुर	22	जर्मनी	18
उदयपुर	13	बफैलो	3
कोटा	32	फ्रांस	22
बूंदी	8	यूके	30
झालावाड	11	शिकागो	15
सवाईमाधोपुर	14	अन्य	12
कुल	**100**		**100**

नतीजे और चर्चाएं

2006 से 2018 तक अलवर में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि

चित्र 1 राजस्थान के अलवर जिले में आने वाले पर्यटकों की उत्पत्ति के स्रोत के आधार पर 2006 से 2018 तक पर्यटकों की वृद्धि को दर्शाता है। यह स्पष्ट है कि कुल मिलाकर पिछले बारह वर्षों में अलवर में सबसे अधिक पर्यटक 2006 में पहुंचे थे। इसके बाद पर्यटकों की आवाजाही में गिरावट देखी गई है। यह 2009 में अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। 2009 के बाद से इसमें वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई देने लगी और 2018 में यह अपने दूसरे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वर्ष 2006 से 2018 तक घरेलू और विदेशी पर्यटन में क्रमशः 24 और 34 की गिरावट आई है। . स्थानीय लोगों का मानना है कि स्थानीय लोगों के अधिक हस्तक्षेप के कारण जैव विविधता में गिरावट आई है, जिससे अलवर की पर्यटन गतिविधि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

अलवर में पर्यटकों की कुल संख्या (2019)

अलवर जिले में आने वाले पर्यटकों की संख्या का नवीनतम डेटा अलवर के पर्यटक रिसेप्शन सेंटर, 2020 से लिया गया है। इस डेटा सेट को मोटे तौर पर भारतीय, गैर-भारतीय और छात्रों में विभाजित किया गया है। 2019 में पर्यटकों के बारे में डेटा से पता चलता है कि दिसंबर महीने में पर्यटकों की कुल संख्या सबसे अधिक है। अधिकांश भारतीय लोग मार्च के महीने में यानी 4250 अलवर आए और गैर-भारतीय पर्यटकों की संख्या यानी 1170 ने ज्यादातर दिसंबर के महीने में अलवर का दौरा किया। इसके पीछे कारण यह है कि गर्मियों के महीनों की तुलना में दिसंबर में अलवर का मौसम विदेशियों के लिए अधिक आरामदायक होता है और अक्टूबर के महीने में सबसे अधिक संख्या में यानी 1210 छात्र अलवर आए थे। मुख्य रूप से छात्र ज्ञान और शोध कार्य के लिए आते हैं (फर्ग्यूसन, 2020)।

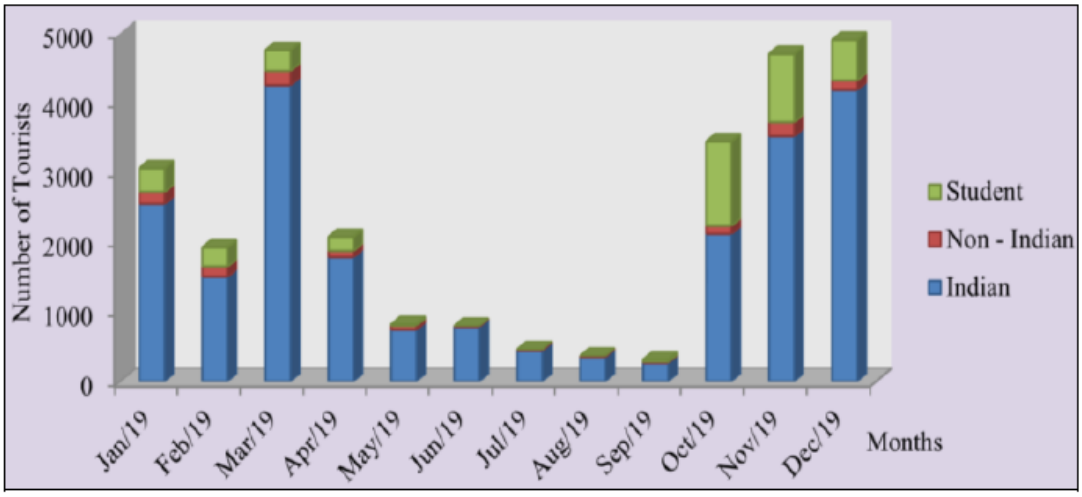

चित्र 2. अलवर में आने वाले पर्यटकों की कुल संख्या (2019) (स्रोत: पर्यटन रिपोर्ट, पर्यटन विभाग, राजस्थान, 2020)

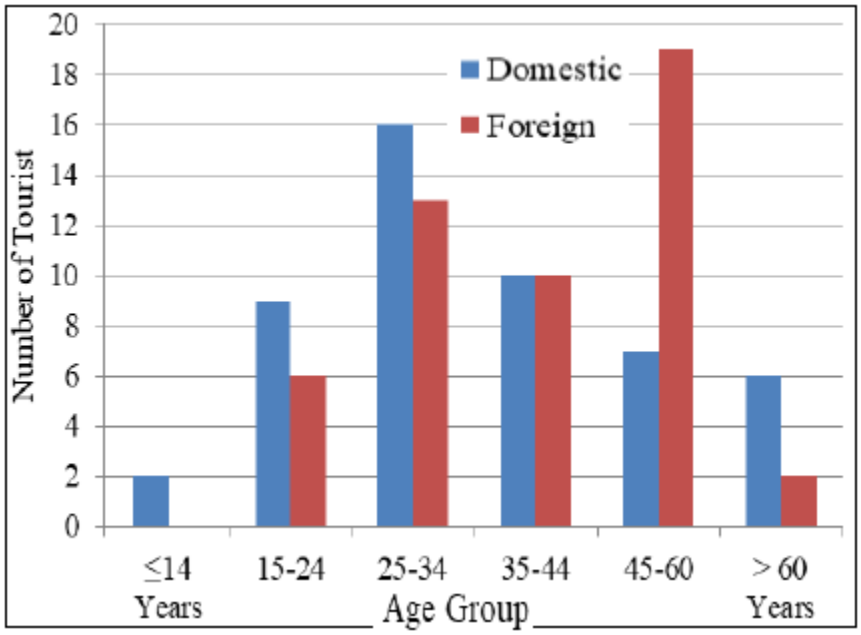

चित्र 3. उत्तरदाताओं की आयु (स्रोत: प्राथमिक सर्वेक्षण, 2020)

उत्पत्ति के स्रोतों के आधार पर पर्यटक

पर्यटकों के प्रकार का विश्लेषण करने में स्थान बहुत प्रमुख भूमिका निभाता है। (तालिका 1) से यह समझा जा सकता है कि पर्यटकों की सबसे अधिक संख्या कोटा शहर से है, क्योंकि यह एक शैक्षिक केंद्र है, लोग ज्ञान प्राप्त करने और मुख्य रूप से अनुसंधान उद्देश्यों के लिए अलवर आते हैं। पर्यटकों की संख्या के मामले में कोटा के बाद जयपुर का स्थान है। राजस्थान की राजधानी जयपुर, अलवर के पास लगभग 159.9 किमी की दूरी पर स्थित है, यहां घरेलू पर्यटकों की अच्छी संख्या है, इसलिए जो लोग जयपुर से दिल्ली की यात्रा कर रहे हैं, वे आमतौर पर रास्ते में अलवर आते हैं। इसलिए जयपुर से अलवर आने वालों की संख्या भी अधिक है। विदेशी आगंतुकों के मामले में, पर्यटकों की अधिकतम संख्या ब्रिटेन से है, उसके बाद फ्रांस और जर्मनी का स्थान है। चूँकि इन देशों में प्रति व्यक्ति आय अधिक है और नई संस्कृतियों और स्थानों की खोज करने की इच्छा इन देशों में अधिक है, इसलिए लोग अलवर जैसी जगहों की ओर जाते हैं, क्योंकि यह सांस्कृतिक और पारंपरिक रूप से समृद्ध है। शिकागो और ऑरलैंडो जैसे अन्य देशों से अच्छी संख्या में पर्यटक आते हैं और बफ़ेलो से सबसे कम पर्यटक आते हैं।

आयु वर्ग के आधार पर पर्यटक

घरेलू पर्यटकों की अधिकतम संख्या 25-34 वर्ष आयु वर्ग में है। ऐसा इसलिए है क्योंकि युवा लोग नई साइटों पर जाने के लिए स्वतंत्र और अत्यधिक जिज्ञासु होते हैं। जबकि 45-60 वर्षों में विदेशी पर्यटकों की संख्या अधिक होती है, इसका कारण यह है कि उनमें से अधिकांश की वित्तीय स्थिति अच्छी होती है और वे शहर में रहने का खर्च उठा सकते हैं। सर्वेक्षण से पता चलता है कि उनमें से अधिकतर उद्यमी हैं जो नई जगहों की खोज के लिए अपनी कंपनियों द्वारा प्रदान किए गए टूर पैकेज के साथ यात्रा करते हैं।

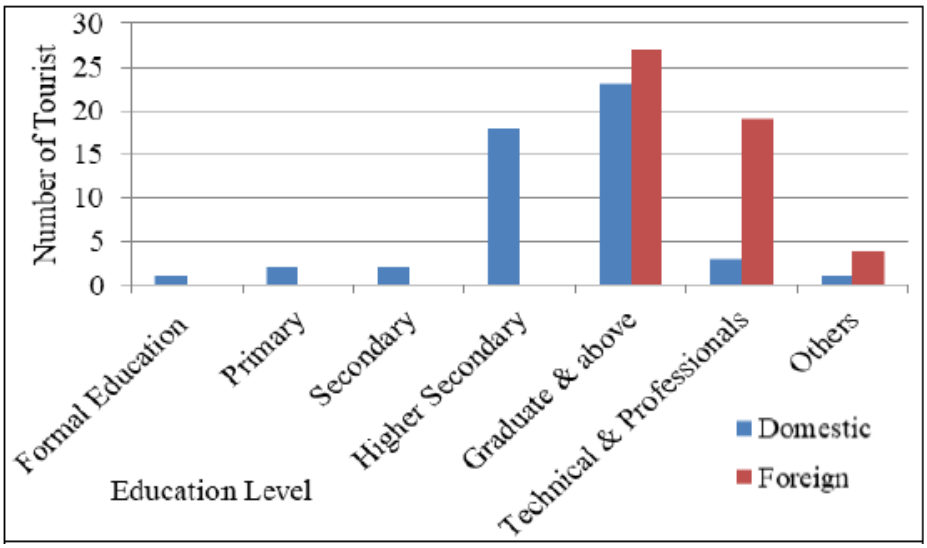

चित्र 4. पर्यटकों की शिक्षा का स्तर (स्रोत: प्राथमिक सर्वेक्षण 2020)

पेशा	घरेलू आगंतुक (%)	विदेशी आगंतुक (%)
उद्योगपति	24	-
स्वनियोजित	2	34
शासकीय सेवाएं	34	-
निजी सेवाएँ	8	42
विद्यार्थी/शोधकर्ता	6	24
व्यापार	20	-
कृषि	2	-
गृहिणी	2	-
अन्य	2	-
कुल	**100**	**100**

तालिका 2. उत्तरदाताओं का व्यवसाय (स्रोत: प्राथमिक सर्वेक्षण, 2020)

शैक्षिक प्रोफ़ाइल के आधार पर पर्यटक

साक्षरता का अर्थ है पढ़ने, लिखने और लिखने की कम से कम एक विधि में संख्यात्मकता का उपयोग करने की क्षमता। पर्यटक गतिविधि को निर्धारित करने में साक्षरता के स्तर की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जैसा कि ज्यादातर मामलों में होता है, शिक्षित व्यक्ति विभिन्न स्थानों के बारे में अशिक्षित लोगों की तुलना में बेहतर तरीके से जानते हैं। इस अध्ययन के दौरान भी यही बात देखने को मिली है. घरेलू पर्यटकों के दौरे के मामले में यह देखा गया कि अधिकांश पर्यटक उच्च माध्यमिक और स्नातक और उससे ऊपर की श्रेणी के हैं। दूसरी ओर, अधिकांश विदेशी पर्यटक स्नातक और उससे ऊपर तथा तकनीकी और पेशेवर की श्रेणी में आते हैं। माध्यमिक या माध्यमिक से कम योग्यता वाले पर्यटकों की संख्या बहुत ही नगण्य है और विदेशी पर्यटकों के मामले में तो यह पूरी तरह से अनुपस्थित है। पर्यटकों की संख्या और उनकी शैक्षिक प्रोफ़ाइल के बीच उच्च स्तर का सकारात्मक संबंध है।

व्यवसाय के आधार पर पर्यटक

व्यवसाय एक आर्थिक है और प्रमुख कारकों में से एक पर्यटन को निर्धारित करने में मदद करता है। घरेलू आगंतुकों के व्यवसाय के संदर्भ में, सरकारी सेवा का अनुपात अधिक है। इसका कारण यह है कि जो लोग सरकारी सेवा में हैं उनके पास रहने, आराम करने और छुट्टियों के लिए पर्याप्त धन है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि घरेलू पर्यटन में पर्यटकों की प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सरकारी सेवाओं का वर्चस्व है यानी 34 प्रतिशत, इसके बाद क्रमशः 24 और 20% के साथ उद्योगपति और व्यवसाय का स्थान है। चूंकि अलवर तांबे और अन्य समृद्ध खनिज भंडार के लिए प्रसिद्ध है, इसलिए उद्योगपति और व्यवसायी व्यवसाय के रास्ते तलाशने के लिए यात्रा करते हैं। बड़े व्यापारिक घरानों या

उद्यमियों को खनिज और जवाहरात का निर्यात और आयात किया जा रहा है। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से यात्रा करने वाले विदेशी पर्यटक निजी क्षेत्र से आते हैं, जिनकी प्रतिशत हिस्सेदारी 42 है, इसका मुख्य कारण यह है कि उन्हें पैसा और यात्रा पैकेज उनकी कंपनी से मिलता है। इस साइट के बारे में जानने के लिए स्वरोजगार और शोधकर्ता भी अच्छी संख्या में अलवर आते हैं।

उद्देश्य के अनुसार पर्यटक

प्रत्येक व्यक्ति के दौरे का उद्देश्य व्यवसाय या काम के लिए अलग-अलग होता है और कुछ का आनंद और मनोरंजन के लिए; उनमें से कुछ अनुसंधान कार्य के लिए आते हैं जैसे स्कूल और कॉलेज के छात्र जो शैक्षिक उद्देश्यों के लिए आते हैं जबकि उनमें से कुछ तीर्थयात्रा के लिए आते हैं, विशेष रूप से वृद्ध व्यक्ति। किसी भी स्थान पर जाने के कई कारण होते हैं। आंकड़ों से यह देखा जा सकता है कि घरेलू और विदेशी दोनों श्रेणियों में अधिकतम संख्या में पर्यटक अवकाश और मनोरंजन के उद्देश्य से आते हैं। इससे पता चलता है कि लोग अपने आनंद के लिए नई जगहों पर जाना और तलाशना पसंद करते हैं।

यात्रा शैली

घरेलू श्रेणी में अधिकतर पर्यटक अपने परिवार के सदस्यों या दोस्तों के साथ अलवर पहुंचते हैं। दूसरी ओर उनकी कंपनी से मिलने वाले टूर पैकेज के तहत सबसे ज्यादा विदेशी पर्यटक अलवर आते हैं।

यात्रा शैली	घरेलू	विदेश
अकेला	3	2
परिवार के साथ	22	16
दोस्तों के साथ	18	9
यात्रा पैकेज	7	23
कुल	**50**	**50**

तालिका 3. यात्रा शैली (स्रोत: प्राथमिक सर्वेक्षण, 2020)

दौरे की आवृत्ति

आंकड़ों के अनुसार, हमने पाया कि सबसे अधिक संख्या में घरेलू पर्यटक 51 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ अलवर में कई बार आते हैं। दूसरी ओर, पहली और दूसरी बार के आगंतुकों का प्रतिशत हिस्सा क्रमशः 22 और 27 प्रतिशत है। जबकि विदेशी पर्यटकों के मामले में 75 प्रतिशत पहली बार आने वाले और उसके बाद दूसरी बार और कई बार

आने वाले पर्यटकों की हिस्सेदारी क्रमशः 18 और 7 प्रतिशत है।

पर्यटन के परिणाम

पर्यटन उद्योग देश की अर्थव्यवस्था को पोषण देता है, विकास प्रक्रिया को गति देता है, सांस्कृतिक विरासत को पुनर्स्थापित करता है और लोगों को जोड़कर किसी भी स्थल के बारे में शांति और समझ बनाए रखने में मदद करता है। यह यात्रियों को सूचना, आवास, परिवहन और अन्य सेवाएँ प्रदान करने का व्यवसाय है। यह धुएँ के बिना उद्योग है, कक्षा के बिना प्रशिक्षण है, कानूनी सीमाओं के बिना एकीकरण है और औपचारिकता के बिना कूटनीति है।

पर्यटन एक ऐसी गतिविधि है जो पर्यावरण और लोगों के बीच होती है और ये दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं (हिगिंस एट अल., 2019)। इन अंतर्संबंधित परिणामों को गंतव्य क्षेत्र में देखा जा सकता है, जहां पर्यटक पर्यावरण, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और समाज के साथ बातचीत करते हैं। अलवर में जो सकारात्मक प्रभाव देखे गए हैं उनमें पारंपरिक कला, संस्कृति, किलों का पुनरुद्धार शामिल है जो अलवर के इतिहास की सुंदरता को समृद्ध करने और उन्हें अलवर के बारे में जानने में मदद करता है। अलवर में पर्यटन प्राकृतिक आकर्षण स्थलों से राजस्व सृजन में भी मदद करता है और किसी स्थान के आकर्षण को बनाए रखने और बहाल करने में भी मदद करता है। यह प्राकृतिक पर्यावरण के महत्व में आगंतुकों की रुचि भी बढ़ाता है और पर्यावरण की रक्षा के उपायों का समर्थन करने में मदद करता है।

पर्यटन का सकारात्मक प्रभाव

आय एवं रोजगार सृजन

पर्यटन आय और रोजगार सृजन का एक साधन है और गरीबी कम करने में मदद करता है (शिजी, 2016)। अलवर में आकर्षण के प्रमुख स्रोत कई ग्रामीणों को पर्यटक गाइड, सुरक्षा गार्ड, दुकानदार, ड्राइवर, गेस्ट हाउस मालिक, ट्रैवल एजेंट, होटल एजेंट, टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट इत्यादि जैसे विभिन्न कार्यों में संलग्न करते हैं। कई पर्यटक गेस्टहाउस में रहते हैं जो एक उचित स्रोत हैं स्थानीय लोगों की आय का. परिवहन और ट्रैवल एजेंसियां, होटल, गेस्ट हाउस, रेस्तरां, दुकानें आदि रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। जेट-स्कीइंग, पैडल बोटिंग और मगरमच्छ दर्शन अलवर में पर्यटन रोमांच की खोज के क्षेत्र हैं। यह एक अलग अनुभव देता है और प्राकृतिक सुंदरता के साथ बातचीत करने और शहर को आधुनिकीकरण की ओर ले जाने में भी मदद करता है। हस्तशिल्प और पारंपरिक आभूषण भी विभिन्न लोगों द्वारा बेचे जाते हैं क्योंकि वे उनकी संस्कृति को दर्शाते हैं। और यहां घूमने आने वाले कई विदेशी लोग यहां से प्राचीन वस्तुएं भी खरीदते हैं।

पर्यटकों की मांग को पूरा करने के लिए प्राचीन वस्तुओं की विभिन्न दुकानें खोली गई हैं जिनमें कई लोगों को रोजगार मिला है। अधिक से अधिक पर्यटकों की गति के साथ अधिक से अधिक होटल और गेस्ट हाउस विकसित किए गए हैं जिससे उद्यमिता पैदा हुई और शहर में बेरोजगारी की समस्या भी हल हो गई। लगभग 80 प्रतिशत स्थानीय आबादी का मानना है कि शहर में पर्यटन गतिविधियाँ भारी आय के अवसर पैदा करती हैं और स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं (चित्र 10)। पर्यटन में परिवहन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चूँकि यह मुख्य तत्व है जिसके बिना पर्यटन संभव नहीं है। अलवर में यात्रा को आसान और साहसिक बनाने के लिए कई जीपें, बसें और कारें किराए पर ली गई हैं। इस प्रकार, इस प्रकार परिवहन सुविधाओं ने न केवल अलवर में पर्यटन के विकास में सुधार किया बल्कि

लोगों को इस गतिविधि में शामिल होने के लिए भी प्रभावित किया। तो इस तरह रोजगार के अवसर भी बढ़ गए और लोग अपनी वर्कशॉप और मोटर पार्ट्स की दुकानें खोलने लगे।

राष्ट्रीय विरासत एवं पर्यावरण का संरक्षण

पर्यटन कई ऐतिहासिक स्थानों और स्मारकों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चूँकि पर्यावरण पर्यटकों के लिए प्रकृति की सुंदरता की ओर आकर्षित होने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। जैसे बालाकिला, मूसी महारानी की छतरी, सिलीसेढ़, जैसमंद इत्यादि अलवर में ऐसे स्थान हैं जिनमें अरावली पहाड़ियों, झीलों, नदियों और वनस्पतियों और जीवों जैसे कई प्राकृतिक दर्शनीय स्थल हैं जो इसे और अधिक आकर्षक स्थान बनाते हैं। जबकि अलवर के पर्यटन विभाग ने सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान की सुरक्षा के उपायों को प्रोत्साहित किया, बाघों के संरक्षण को प्रोत्साहित किया क्योंकि यह अलवर में मुख्य पर्यटक आकर्षण है। पर्यटकों की माँगों को पूरा करने के लिए संरक्षित या संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना की जाती है। आजकल बालाकिला में सुरक्षा गार्डों ने प्रवेश से पहले लोगों के पहचान पत्र की जाँच करना शुरू कर दिया है और इसमें शुल्क भी शामिल है। इसमें न केवल सुरक्षा और संरक्षा शामिल होगी बल्कि राजस्व भी शामिल होगा जो वे एकत्र कर रहे हैं जिससे जमीन की मरम्मत और साइट की बहाली में मदद मिलेगी। प्राथमिक सर्वेक्षण के अनुसार, 50 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि ऐतिहासिक स्थलों और पर्यटन स्थलों को संबंधित अधिकारियों द्वारा संरक्षित किया जा रहा है। सकारात्मक प्रभाव यह है कि पर्यटन विभाग द्वारा स्मारकों और किलों का संरक्षण किया जाता है। ये इतिहास और उनकी संस्कृति जैसे लोककथाओं, हस्तशिल्प, त्योहारों, रीति-रिवाजों, संगीत आदि को दर्शाते हैं। मिट्टी के बर्तनों की पेंटिंग, अतीत की तस्वीरें, मूर्तियां, शिलालेख, अन्य पुरातात्विक निष्कर्ष और कलाकृतियां अलवर के संग्रहालय में संरक्षित की गई हैं। यह संग्रहालय मूसी महारानी की छतरी के पास स्थित है जो अतीत के महान वास्तुशिल्प कार्यों को दर्शाता है। और यह आज भी संरक्षित है क्योंकि अलवर के पर्यटन विभाग द्वारा इस स्थल का उचित संरक्षण किया गया है।

बुनियादी ढांचे का विकास

विकास की गति के साथ, अधिक से अधिक पर्यटक शहर में आते हैं और इससे बुनियादी ढांचे का विकास भी होता है। यह विभिन्न बुनियादी सुविधाओं में सुधार करता है जैसे कि कई होटल और गेस्ट हाउस उचित और बुनियादी सुविधाओं के साथ बनाए गए हैं और उचित मूल्य पर, आप इसे खरीद सकते हैं। यहां तक कि 58 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से सहमत थे कि पर्यटन गतिविधियों से शहर में बुनियादी ढांचे का विकास होता है। राजमार्गों और सड़कों पर छोटे-छोटे रेस्तरां भी बनाए गए ताकि पर्यटकों को यात्रा के दौरान आसानी से मिल सकें। अलवर में पर्यटन विभाग के बेलोर, काना जैसे कई होटल प्रोजेक्ट चल रहे हैं. ये होटल और गेस्ट हाउस अच्छी सुविधाएं प्रदान करते हैं और इनकी कीमतें विकास आयुक्त प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। विदेशी आगंतुकों के लिए कई स्वास्थ्य सुविधाओं और खेल केंद्रों को उन्नत किया गया है।

शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देना

पर्यटन एक शांतिपूर्ण व्यवसाय है। पर्यटन और शांति के बीच एक स्वाभाविक संबंध है। जैसे-जैसे लोग विभिन्न स्थानों पर घूमते हैं और विभिन्न संस्कृतियों, लोगों, धर्मों, भाषाओं, मूल्यों आदि को जानना सीखते हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच आपसी समझ में मदद मिलती है। इससे झगड़ों को कम करने में मदद मिलती है। 34

प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि पर्यटन शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद करता है। दूसरी ओर, 48 प्रतिशत उत्तरदाता तटस्थ थे (चित्र 10)। उसी तरह, अलवर में पर्यटन स्थल, लोगों को प्राकृतिक सुंदरता से रूबरू कराते हैं, इतिहास को जानते हैं और अलवर के लोगों को सुकून और शांति देते हैं। अलवर में हाल ही में बना बायोडायवर्सिटी पार्क बहुत शांति और सुकून देता है; जैसा कि अलवर के आगंतुकों ने कहा, बहुत से लोग सुबह की सैर और ध्यान के लिए आते हैं। पर्यटक मानते हैं कि ऐसे प्राकृतिक पार्क और स्थान शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

पर्यावरण जागरूकता

केवल 22 प्रतिशत उत्तरदाता इस पक्ष में थे कि पर्यटन से पर्यावरण जागरूकता बढ़ती है (चित्र 10)। वैसे तो अलवर में कई समूहों ने पारिस्थितिक मुद्दों पर चेतना फैलाने का काम किया है। प्रत्येक व्यक्ति की जागरूकता, विशेषकर उन लोगों की जो प्रकृति और पर्यावरण के निकट संपर्क में हैं, हरित शहर बनाने में मदद करती है। यह उपाय लोगों का ध्यान प्रकृति की ओर बढ़ाने और पृथ्वी की रक्षा करने के अभ्यास में मदद करता है। आजकल सोशल मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रचार लोगों को अपनी पसंद का गंतव्य चुनने के लिए प्रभावित करता है। हाल ही में अलवर के लोगों द्वारा एक नया संस्करण बनाया गया था यानी अलवरियन डायरीज़ पेज जिस पर वे अलवर से संबंधित चीजें पोस्ट कर रहे हैं और लोगों को जागरूक कर रहे हैं कि शहर में क्या हो रहा है और वे अलवर शहर के सुधार के लिए सुझाव देने के साथ-साथ पूछ भी रहे हैं। और इसके पर्यावरण की सुरक्षा।

पर्यटन के नकारात्मक परिणाम

स्थानीय संसाधनों में कमी

पर्यटन संसाधनों पर दबाव बनाता है जिससे स्थानीय संसाधनों (ऊर्जा, भोजन और अन्य कच्चे माल) में कमी आएगी और साथ ही उनकी आपूर्ति भी कम हो जाएगी। इन संसाधनों के बड़े पैमाने पर निष्कर्षण और परिवहन का भौतिक और रूपात्मक प्रभाव पड़ता है। अलवर की यात्रा के लिए मानसून का मौसम सबसे अच्छा महीना है, इसलिए स्थानीय लोगों को लगता है कि इस समय संसाधनों और उपलब्ध सुविधाओं पर दबाव भी बढ़ जाता है। अलवर में पर्यटन ने ऊर्जा, भोजन, परिवहन जैसे स्थानीय संसाधनों पर अधिक दबाव बनाया है। लोगों ने अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने और विदेशियों को अधिक बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करने के लिए अलवर के संसाधनों का दोहन करना शुरू कर दिया लेकिन उन्हें प्राकृतिक सुंदरता की रक्षा की कोई चिंता नहीं है। स्थानीय संसाधनों पर अधिक दबाव बनाने से स्थानीय संसाधनों में कमी आती है।

भूमि निम्नीकरण

खनिज, जीवाश्म ईंधन, उपजाऊ मिट्टी, उपजाऊ वन्य जीवन और आर्द्रभूमि महत्वपूर्ण भूमि संसाधन हैं। दिन-ब-दिन पर्यटन और मनोरंजन सुविधाओं के निर्माण ने इन संसाधनों के साथ-साथ प्राकृतिक परिदृश्यों पर भी दबाव पैदा कर दिया है। पर्यटन उद्देश्यों जैसे आवास, भवन निर्माण सामग्री और अन्य बुनियादी ढांचे के लिए भूमि के उपयोग से नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय दोनों प्राकृतिक संसाधनों पर सीधा प्रभाव पड़ता है, इससे भूमि क्षरण की समस्या भी पैदा होती है।

प्रदूषण

अलवर में जल प्रदूषण एक बहुत गंभीर मुद्दा है। होटलों, स्विमिंग पूलों और पर्यटकों के लिए पानी के निजी उपयोग के लिए जल संसाधनों का अत्यधिक उपयोग होता है, इससे पानी की कमी हो जाती है और पानी की आपूर्ति में कमी आती है और बड़ी मात्रा में अपशिष्ट जल पैदा होता है। अलवर के बहरोड़ और नीमराना ब्लॉक जैसे अधिकांश क्षेत्रों में जल स्तर 40 मीटर की गहराई तक पहुंच गया है। अलवर में भी कई हिस्सों में पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है. अलवर का वायु प्रदूषण राज्य की राजधानी यानी जयपुर की तुलना में बहुत अधिक है। परिवहन वाहनों का बढ़ता उपयोग जो गैसों का उत्सर्जन करते हैं जो समग्र शहर के लिए हानिकारक हैं।

इससे अलवर में स्मॉग जैसी स्थिति भी पैदा हो गई है। अलवर में ध्वनि प्रदूषण क्षेत्र की शांति को नष्ट कर देता है। कुछ अवकाश स्थलों, उदाहरण के लिए, पार्कों और ट्रैकों में उच्च स्तर का ध्वनि प्रदूषण अनुभव किया गया। इस तरह की तेज आवाज से कान के पर्दों को नुकसान पहुंच सकता है और मानसिक चिंता बढ़ सकती है और स्थानीय लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

अपशिष्ट निपटान समस्याएँ

पर्यटक गतिविधियों की अधिकता और प्राकृतिक सुंदरता के आकर्षण के कारण, अपशिष्ट निपटान एक गंभीर समस्या बन गया है और अनुचित निपटान प्राकृतिक सुंदरता, नदियों, दर्शनीय क्षेत्रों और सड़कों को नष्ट कर देता है। पर्यटक स्थलों में एक बहुत प्रसिद्ध मुद्दा परिदृश्य पर मलबा फैला हुआ है। अलवर के किलों और पार्कों में यह सबसे आम समस्या है, जहां लोग पिकनिक मनाने या उत्सव मनाने आते हैं और उस जगह को गंदा कर देते हैं और अपना कचरा उचित स्थान पर नहीं डालते हैं। अधिकांश अपशिष्ट होटल, रेस्तरां, रिसॉर्ट्स से होते हैं जो बीमारी और संदूषण की समस्या को बढ़ाते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र का विनाश और परिवर्तन

पारिस्थितिकी तंत्र एक भौगोलिक क्षेत्र है जिसमें जीवों और भौतिक पर्यावरण जैसे मिट्टी, पानी, हवा और उन्हें बनाए रखने वाले प्राकृतिक चक्रों की परस्पर क्रिया शामिल होती है। सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान, सरिस्का पैलेस और जैव विविधता पार्क जैसे आकर्षक परिदृश्य समृद्ध वनस्पतियों और जीवों की विशेषता हैं। मानवीय गतिविधियों के हस्तक्षेप से सरिस्का टाइगर रिजर्व की जैव विविधता प्रभावित हुई है, जिसका सीधा असर पर्यटकों की संख्या पर पड़ता है

निष्कर्ष

अलवर शहर राजस्थान का सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थल है, लेकिन पर्यटकों को कई तरह की समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। अलवर शहर में सतत पर्यटन विकास के लिए इसकी उचित समझ एवं व्यापक समाधान आवश्यक है। पर्यटकों के सामने आने वाली कुछ प्रमुख समस्याएं हैं पार्किंग स्थल की कमी, उचित विज्ञापन और प्रचार की कमी, आवास सुविधाओं की कमी, उचित पर्यटक स्वागत केंद्रों की कमी, उच्च दरों की समस्या और बुकिंग की अनुचित प्रणाली, उचित सुरक्षा और स्वच्छता सुविधाओं का अभाव। , बैगर्स मुद्दे और पर्यटकों की शिकायतों का त्वरित निपटान नहीं। यहाँ अच्छी परिवहन व्यवस्था का अभाव है जो पर्यटन के विकास में एक बड़ी समस्या प्रतीत होती है। पार्किंग स्थलों पर काम करने की आवश्यकता है क्योंकि पर्यटक स्थलों पर, विशेषकर सिलीसेढ़ जैसे ऐतिहासिक

स्थानों के पास, कोई पार्किंग क्षेत्र नहीं है। यह एक और क्षेत्र है जहां ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

पर्यटकों की विभिन्न सुविधाओं की जानकारी आरटीडीसी (राजस्थान पर्यटन विकास निगम) के पोर्टल और राजस्थान पर्यटन वेबसाइट पर उपलब्ध होनी चाहिए। इसे पर्यटकों की वित्तीय क्षमताओं के अनुसार पर्यटन सुविधाओं के साथ-साथ होटलों के ऑर्डरों की रैंकिंग में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। इससे पर्यटकों को होटलों के बारे में जानने में मदद मिलेगी और जिले में उनका ठहराव भी बढ़ेगा। चूँकि अलवर जिले में केवल एक ही पर्यटक स्वागत केन्द्र है तथा स्वागत कक्ष पर एक ही व्यक्ति रहता था, जिसके कारण पर्यटकों को उचित जानकारी नहीं मिल पाती है। इससे राजस्व सृजन में भी हानि होती है इसलिए इस क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है। लगभग सभी बस टर्मिनलों, रेलवे स्टेशनों और होटलों में अस्वच्छ शौचालय सुविधाएं हैं। इससे अलवर के होटलों में पर्यटकों का रुकना कम हो गया है। दिन-ब-दिन भिखारियों की संख्या में बढ़ोतरी होती जा रही है। ये भिखारी पर्यटकों पर अत्याचार करते हैं और यह पर्यटकों के लिए उत्पीड़न जैसा काम करता है। इस प्रकार टिकाऊ पर्यटन प्रबंधन के लिए अलवर शहर के संबंधित विभाग और हितधारकों को शहर में पर्यटक-अनुकूल वातावरण और टिकाऊ पर्यटन में सुधार के लिए इन खामियों पर काम करना होगा।

***भूगोल विभाग**
राजस्थान विश्वविद्यालय

प्रतिक्रिया दें संदर्भ

1. अरोड़ा, के., राजपूत, एस., और आनंद, आर.आर. (2020)। उत्तर और मध्य अंडमान, भारत में वैज्ञानिक भू-पर्यटन के विकास के लिए जियोमोर्फोसाइट्स आकलन। जियोजर्नल ऑफ टूरिज्म एंड जियोसाइट्स, 32(4), 1244-1251। https://doi.org/10.30892/gtg.32408--564
2. बोनिफेस, बी., कूपर, आर., और कूपर, सी. (2016)। विश्वव्यापी गंतव्य: यात्रा और पर्यटन का भूगोल (7वां संस्करण)। रूटलेज। https://doi.org/10.4324/9781315697666
3. चंदेल, ए. (2011)। सरिस्का टाइगर रिजर्व: सतत विकास के लिए दृष्टिकोण। समावेशी एवं सतत विकास पर सम्मेलन। Doi www.new health.in/ ojs/index. Php/ISG /लेख/ डाउनलोड/4/4. - गूगल खोज। (रा।)।
4. डेनिश, और वांग, जेड (2018)। पर्यटन, आर्थिक विकास और पर्यावरण गुणवत्ता के बीच गतिशील संबंध। जर्नल ऑफ़ सस्टेनेबल टूरिज्म, 26(11), 1928-1943। https://doi.org/10.1080/09669582.2018.1526293
5. ढींगरा, एम., और चट्टोपाध्याय, एस. (2021)। ऐतिहासिक शहरी परिदृश्य की स्मार्ट सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषताओं के मूल्यांकन के लिए एक अस्पष्ट दृष्टिकोण: भारत में अलवर की दीवारों वाले शहर का केस अध्ययन। सतत शहर और समाज, 69, 102855। https://doi.org/10.1016/j.scs.2021.102855
6. डाउलिंग, आर., और न्यूज़ोम, डी. (2006)। भू-पर्यटन के मुद्दे और चुनौतियाँ। 2011 से पहले के अनुसंधान आउटपुट। https://doi.org/10.1016/B978-0-7506-6215-4.50021-X

7. ड्रोस्ट, ए. (1996)। विश्व धरोहर स्थलों के लिए स्थायी पर्यटन का विकास करना। एनल्स ऑफ टूरिज्म रिसर्च, 23(2), 479-484। https://doi.org/10.1016/0160-7383(96)83345-7
8. फर्ग्यूसन, ए.एफ. एंड कंपनी (2020)। राजस्थान में सतत पर्यटन के लिए 20 वर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना [राजस्थान सरकार]। पर्यटन विभाग पर्यटन, कला और संस्कृति मंत्रालय- भारत सरकार।
9. फ़िज़ा, एम., श्वाज़ोवा, एल., और मुरा, एल. (2015)। स्लोवाकिया में स्थानीय सरकार के नागरिक संबंध प्रबंधन के एक उपकरण के रूप में नागरिक संतुष्टि सर्वेक्षण। सर्बियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 10(1), 117-129। https://doi.org/10.5937/sjm10-7147
10. गिदेबो, एच.बी. (2021)। पर्यटन स्थलों पर अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक प्रवाह का निर्धारण करने वाले कारक: एक व्यवस्थित समीक्षा। जर्नल ऑफ़ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट एंड टूरिज्म, 12(1), 9-17। https://doi.org/10.5897/JHMT2019.0276
11. हिगिंस-डेस्बिओल्स, एफ., कार्निसेली, एस., क्रोलिकोव्स्की, सी., विजेसिंघे, जी., और बोलुक, के. (2019)। घटता पर्यटन: पर्यटन पर पुनर्विचार। जर्नल ऑफ़ सस्टेनेबल टूरिज्म, 27(12), 1926-1944। https://doi.org/10.1080/09669582.2019.1601732
12. कैटिरसिओग्लु, एस., और कैटिरसिओग्लु, एस. (2018)। पारंपरिक पर्यावरणीय कुज़नेट वक्र में शहरी विकास की भूमिका का परीक्षण: तुर्की से साक्ष्य। अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र पत्र, 25(11), 741-746। https://doi.org/10.1080/13504851.2017.1361004
13. क्यूम, के. (2010)। पर्यटन प्रवाह और व्यापार सिद्धांत: गुरुत्वाकर्षण मॉडल के साथ एक पैनल डेटा विश्लेषण। क्षेत्रीय विज्ञान का इतिहास, 44(3), 541-557। https://doi.org/10.1007/s00168-008-0275-2
14. लसीना, के. (2019)। समकालीन पर्यटन उद्योग के लिए गंतव्य प्रबंधन का महत्व। वैसोका स्कोला डेनुबियस एक ऑटोरी। https://is.vsfs.cz/publication/8016/cs/Significance-of-Destination-Manangement-for-Contemporary-Tourism-Industry/Lacina
15. लता, एम., गुप्ता, वी.के., वर्मा, वी.के., डोटानिया, सी.के., और जौहरी, डी. (2015)। राजस्थान के अलवर जिले का पर्यटन पैटर्न: एक अध्ययन। अफ्रीकन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च, 10(23), 2339-2342। https://doi.org/10.5897/AJAR2015.9827
16. मैककेचर, बी. (2020)। सांस्कृतिक पर्यटन बाजार: एक परिप्रेक्ष्य पत्र। पर्यटन समीक्षा, 75(1), 126-129। https://doi.org/10.1108/TR-03-2019-0096
17. मुरावा, आई., और कोरोबिनीकोवा, वाई. (2016)। यूक्रेन में कार्पेथियन क्षेत्र के उदाहरण पर पर्यटन स्थलों में अपशिष्ट समस्या का विश्लेषण। जर्नल ऑफ इकोलॉजिकल इंजीनियरिंग, वॉल्यूम। 17(एनआर 2). https://doi.org/10.12911/22998993/62285

18. नेमतपुर, एम., और फ़राजी, ए. (2019)। विकासशील देशों में भविष्य के अध्ययन के रूप में पर्यटन प्रभावों का संरचनात्मक विश्लेषण (केस स्टडी: ईरान)। जर्नल ऑफ टूरिज्म फ्यूचर्स, 5(3), 259-282। https://doi.org/10.1108/JTF-05-2018-0028
19. पंवार, एन., और शर्मा, वी. (2017)। पर्यटन क्षमता का आकलन: राजस्थान के अलवर जिले का एक केस अध्ययन। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईआरजेईटी), 04(11), 189-196।
20. परमती, एस.आर., शाहबाज़, एम., और आलम, एम.एस. (2017)। क्या पर्यटन से पर्यावरण की गुणवत्ता ख़राब होती है? पूर्वी और पश्चिमी यूरोपीय संघ का तुलनात्मक अध्ययन। परिवहन अनुसंधान भाग डी: परिवहन और पर्यावरण, 50, 1-13। https://doi.org/10.1016/j.trd.2016.10.034
21. रायिमोन्ना, बी.एल., और शुक्सराटोन्ना, बी.एम. (2021)। पर्यटन का राजनीतिक और सामाजिक-आर्थिक महत्व। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी, 1(6), 167-169।
22. रज़ा, एस.ए., शरीफ़, ए., वोंग, डब्ल्यू.के., और करीम, एम.जेड.ए. (2017)। संयुक्त राज्य अमेरिका में पर्यटन विकास और पर्यावरणीय गिरावट: वेवलेट-आधारित विश्लेषण से साक्ष्य। पर्यटन में वर्तमान मुद्दे, 20(16), 1768-1790। https://doi.org/10.1080/13683500.2016.1192587
23. रॉबिन्सन, पी. (2012)। पर्यटन: प्रमुख अवधारणाएँ। रूटलेज। https://doi.org/10.4324/9780203104910
24. शर्मा, ए.एस., और खरे, पी.एन.के. (2021)। अलवर-2031 के लिए पर्यटक सर्किट। आधुनिक कृषि का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10(2), 4529-4544।
25. शर्मा, वी.आर., और बिष्ट, के. (2019)। आगरा शहर, उत्तर प्रदेश (भारत) में क्षमता मूल्यांकन और टिकाऊ पर्यटन प्रबंधन। जियोजर्नल ऑफ टूरिज्म एंड जियोसाइट्स, 25(2), 399-407। https://doi.org/10.30892/GTG.25211-369
26. शिजी, ओ. (2016)। भारत में पर्यटन का आर्थिक प्रभाव. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 5, 35. https://doi.org/10.5958/2321-5771.2016.00013.2
27. स्ट्रेइमिकिएन, डी., स्वैगज़डीन, बी., जैसिंस्कस, ई., और सिमानाविसियस, ए. (2021)। सतत पर्यटन विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता: व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। सतत विकास, 29(1), 259-271. https://doi.org/10.1002/sd.2133
28. टैंग, सी.एफ., और टैन, ई.सी. (2013)। मलेशिया में पर्यटन आधारित विकास परिकल्पना कितनी स्थिर है? अलग-अलग पर्यटन बाज़ारों से साक्ष्य। पर्यटन प्रबंधन, 37(सी), 52-57। https://doi.org/10.1016/j.tourman.2012.12.014
29. थेत्सेन, आर.एम. (2019)। पर्यटन विकास में स्थानीय समुदाय की भागीदारी: लेसोथो में कात्से गांवों का मामला। एथेंस जर्नल ऑफ टूरिज्म, 6(2), 123-140। https://doi.org/10.30958/ajt.6-2-4
30. उसलू, ए., अलागोज़, जी., और गुनेस, ई. (2020)। स्थानीय समुदाय के दृष्टिकोण से पर्यटन के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव: उसलू, ए., अलागोज़, जी., गुनेस, ई. (2020)। स्थानीय समुदाय के

दृष्टिकोण से पर्यटन के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव। जर्नल ऑफ टूरिज्म एंड सर्विसेज, 21(11), 1-21। https://doi.org/10.29036/jots.v11i21.147

31. अलवर-राजस्थान पर्यटन (2021)। https://www.facebook.com/pages/category/Local-business/Alwar-Rajsthan-tourism-1786823181565305/
32. पर्यटन शब्दों की शब्दावली यूएनडब्ल्यूटीओ। 24 दिसंबर, 2021 को लिया गया। https://www.unwto.org/glosary-tourism-terms
33. गृह मंत्रालय पर्यटन भारत सरकार। 24 दिसंबर, 2021 को लिया गया। https://tourism.gov.in/
34. अलवर में पैरामोटो की सवारी। https://Www.Thillaphilia.Com/.23 दिसंबर 2021 को लिया गया। https://www.thillaphilia.com/tours/paramotor-at-alwar
35. राजस्थान में आपका स्वागत है—पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार की आधिकारिक वेबसाइट। राजस्थान पर्यटन. 23 दिसंबर, 2021 को https://www.tourism.rajasthan.gov.in/ से लिया गया।